खबर संक्षेप

पुलिस ने दो मासूमों को अगवा होने से बचाया

शहडोल। ब्यौहारी पुलिस ने संवेदनशीलता और रफ्तार की बेमिसाल मिसाल पेश करते हुए महज 12 घंटों के भीतर दो लापता मासूमों को बरामद कर लिया है। 10 फरवरी की काली रात जब दो परिवारों के चिराग बुझने की कगार पर थे, तब थाना प्रभारी जियाउल हक की टीम ने सुपरफास्ट एक्शन लेते हुए रेलवे स्टेशन से दोनों 12 वर्षीय बालकों को सुरक्षित दस्तयाब कर लिया। बीती रात थाने में दो अलग-अलग परिवारों ने कलेजे के टुकड़ों के गायब होने की सूचना दी। मामला नाबालिगों से जुड़ा था, इसलिए पुलिस ने बिना एक पल गंवाए अज्ञात अपहरणकर्ताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया। जिले के आला अधिकारियों के निर्देश पर तत्काल विशेष टीमों का गठन हुआ और शहर के चप्पे-चप्पे पर घेराबंदी कर दी गई। पुलिस की पैनी नजरों ने ब्यौहारी रेलवे स्टेशन पर संदिग्ध हलचल देखी। घेराबंदी कर जब तलाशी ली गई, तो दोनों बालक सकुशल मिल गए। 12 घंटे के भीतर हुए इस सफल रेस्क्यू ने अपराधियों के मंसूबों पर पानी फेर दिया। जब पुलिस इन बच्चों को लेकर थाने पहुंची, तो परिजनों के चेहरे की खुशी देखते ही बनती थी। इस ऑपरेशन में सउनि गया प्रसाद कन्नौजे, प्रधान आरक्षक नरेंद्र सिंह, हीरा सिंह और हरपाल सिंह की भूमिका सराहनीय रही।

देवलोंद और जयसिंहनगर में अवैध रेत लदे ट्रैक्टर जब्त

शहडोल। जिले में अवैध उत्खनन और खनिज माफियाओं की कमर तोडने के लिए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत देवलोंद और जयसिंहनगर पुलिस ने बड़ी सर्जिकल स्ट्राइक की है। पुलिस ने आधी रात और अलसुबह दबिश देकर अवैध रेत का परिवहन कर रहे ट्रैक्टरों को जब्त किया है। इस कार्यवाही से रेत चोरों में हडकंप मच गया है।

झिरिया मौहार में पुलिस की घेराबंदी-पहली बड़ी कार्यवाही थाना देवलोंद के ग्राम झिरिया मौहार में हुई। थाना प्रभारी सुभाष दुबे को मुखबिर से सटीक सूचना मिली थी कि रेत माफिया अंधेरे का फायदा उठाकर सोन नदी का सीना छलनी कर रहे हैं। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर एक लाल रंग के बिना नंबर वाले ट्रैक्टर को दबोचा। ट्रैक्टर चालक ददोल बैस ने भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिस की मुस्तैदी के आगे उसकी एक न चली। मौके पर रेत परिवहन का कोई भी वैध दस्तावेज नहीं मिला। पुलिस ने 4 लाख 83 हजार की संपत्ति (ट्रैक्टर-ट्राली व रेत) जब्त कर आरोपी के खिलाफ बीएनएस और खनिज अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर उसे सलाखों के पीछे भेजा।

सेरीमार नाले से आ रहे ट्रैक पकड़ा दूसरी तरफ, जयसिंहनगर पुलिस ने भी रेत चोरों के मंसूबों पर पानी फेर दिया। मुखबिर की सूचना पर चिंतराव दुर्गा मंदिर तिराहा के पास पुलिस ने नाकाबंदी की। यहां सेरीमार नाले से अवैध रेत लोड कर आ रहे पावर ट्रैक ट्रैक्टर को धर दबोचा गया। चालक सुनील कुमार श्रीवास्तव उम्र 55 वर्ष पुलिस को देख सकपका गया और कोई भी रॉयल्टी पर्ची पेश नहीं कर सका। पुलिस ने 3 लाख 3 हजार रुपये का मशरूका जब्त कर ट्रैक्टर को थाने में खड़ा करा दिया है।

नाबालिग को अगवा कर दुष्कर्म करने वाला गिरफ्तार

शहडोल। मासूमों की अस्मत से खेलने वाले दरिंदों के खिलाफ ब्यौहारी पुलिस ने एक बार फिर अपना तीसरा नेत्र खोल दिया है। गोदावल मेले की भीड़ का फायदा उठाकर नाबालिग का अपहरण करने और उसके साथ हैवानियत की हदें पार करने वाले आरोपी पुष्पेंद्र कोल को पुलिस ने राजकोट (गुजरात) से फिल्मी अंदाज में गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है।

मेले से अगवा कर गुजरात में बना रखा था बंधक- विगत 21 जनवरी 2026 को गोदावल मेले की खुशियां उस वक्त मातम में बदल गई थीं, जब एक नाबालिग बालिका रहस्यमयी ढंग से गायब हो गई। परिजनों की शिकायत पर थाना ब्यौहारी ने तत्काल मामले को गंभीरता से लिया। पुलिस की राडार पर आए सुराग बता रहे थे कि आरोपी उसे प्रदेश की सीमा पार ले गया है। निरीक्षक जियाउल हक की टीम ने तकनीकी जाल बिछाया और मोबाइल लोकेशन के जरिए सीधे गुजरात के राजकोट में धावा बोल दिया।

बरामदगी के बाद खुला दरिंदगी का राज- पुलिस ने बालिका को सुरक्षित बरामद कर जब पूछताछ की, तो रूह कांप देने वाली हकीकत सामने आई। आरोपी पुष्पेंद्र कोल उम्र 24 वर्ष निवासी बराछ ने नाबालिग को डरा-धमकाकर न केवल अगवा किया, बल्कि उसके साथ दुष्कर्म की वारदात को भी अंजाम दिया।

रसूखदारों की चौखट पर सज रहे पीएम आवास

राष्ट्रीय मानव दर-दर भटकने को मजबूर

बरगवां अमलाई नगर परिषद की शर्मनाक तस्वीर

जर्जर झोपड़ी में कट रही आदिम जनजाति की जिंदगी

फाइलों में कैद हुआ सबका साथ-सबका विकास

शहडोल।

भारत सरकार जिसे राष्ट्रीय मानव मानती है, जिसकी संस्कृति को बचाने के लिए राष्ट्रपति भवन तक चिंतित रहता है, उसी बैगा आदिवासी समाज की किस्मत अनूपपुर जिले की बरगवां अमलाई नगर परिषद की फाइलों में दम तोड़ रही है। एक तरफ प्रधानमंत्री आवास योजना के विज्ञापनों से शहर पटे हैं, वहीं दूसरी तरफ वार्ड क्रमांक 1, 2 और 5 में रहने वाले बैगा परिवार आज भी घास-फूस की झोपडिय़ों में जानवरों जैसी जिंदगी बसर करने को विवश हैं।

राष्ट्रीय मानव का दर्जा, फिर भी तिरस्कार क्यों

भारत के संविधान और विशेष नियमों के तहत बैगा जनजाति को विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह की श्रेणी में रखा गया है। सरकार ने इन्हें राष्ट्रीय मानव का सम्मान प्रदान किया है। नियम कहते हैं कि शासन की किसी भी कल्याणकारी योजना, विशेषकर आवास और राशन में, पहला हक इन आदिम जनजातियों का होगा, लेकिन बरगवां अमलाई में नियम सिर्फ कागजों पर पक्के हैं, आदिवासियों की छत आज भी कच्ची है।

साहब! मरने से पहले पक्की छत देख पाऊंगी

वार्डों की तंग गलियों में एक टूटी-फूटी झोपड़ी राम प्रसाद बैगा और उनकी बुजुर्ग मां का ठिकाना है। दिन भर मजदूरी करने के बाद जब राम प्रसाद घर लौटता है, तो उसे सुकून नहीं, डर मिलता है, बारिश में छत टपकने का डर, कड़ाके की ठंड में ठिठुरने का डर। राम प्रसाद की बूढ़ी मां की धुंधली आंखें हर आने-जाने वाले को इस उम्मीद में ताकती हैं कि शायद कोई साहब आएगा और कहेगा कि माई, तेरा घर स्वीकृत हो गया। राम प्रसाद कहता है कि नगर परिषद से लेकर जिला मुख्यालय की चौखट घिस गई, लेकिन हमारी सुनवाई नहीं हुई। हम आदिवासी हैं, शायद इसलिए हमारी आवाज दफ्तरों के बंद कमरों तक नहीं पहुंचती।

रसूखदारों की चांदी, गरीबों की बर्बादी

इस पूरे मामले में सबसे सनसनीखेज पहलू अपात्रों की मौज है। स्थानीय ग्रामीणों का सीधा आरोप है कि नगर परिषद के अधिकारियों और रसूखदारों की मिलीभगत से पीएम आवास का बंदरबांट किया गया है। क्षेत्र में ऐसे रसूखदार लोगों को मकान खैरात में बांट दिए गए, जिनके पास पहले से दो मंजिला इमारतें, आलीशान गाडिय़ां और व्यापारिक संसाधन मौजूद हैं। आदिवासी समाज अब संभाग के मुखिया से गुहार लगा रहा है, लेकिन जवाब में सिर्फ आश्वासन की घुट्टी पिलाई जा रही है। जब बैगा जनजाति को केंद्र सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता प्राप्त है, तो फिर अनूपपुर के स्थानीय प्रशासन को उन्हें आवास देने में क्या परहेज है?

कब जागेगा प्रशासन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संकल्प है कि देश का कोई भी गरीब बिना छत के न रहे, लेकिन बरगवां अमलाई के कलमवीर बाबू और भ्रष्ट तंत्र इस संकल्प को पलीता लगा रहे हैं। यह सिर्फ एक मकान का सवाल नहीं है, यह एक राष्ट्रीय गौरव (बैगा जनजाति) के अस्तित्व और सम्मान का सवाल है। अगर जल्द ही इन बैगा परिवारों को पीएम आवास का लाभ नहीं मिला, तो यह न केवल मानवाधिकारों का उल्लंघन होगा, बल्कि सरकार की अंत्योदय नीति की विफलता का सबसे बड़ा प्रमाण भी होगा। कलेक्टर और संभाग आयुक्त इस अंधेरगर्दी को संज्ञान लेना चाहिए।

पंडित दीनदयाल को भाजपाइयों ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

शहडोल।

प्रखर राष्ट्रवादी विचारक एवं एकात्म मानववाद के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर आज शहडोल के न्यू बस स्टैंड स्थित उनकी प्रतिमा पर भाजपा कार्यकर्ताओं का सैलाब उमड़ पड़ा। समर्पण दिवस के रूप में मनाते हुए भाजपाइयों ने माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। जिला उपाध्यक्ष मनोज गुप्ता ने हुंकार भरते हुए कहा कि दीनदयाल जी के विचार ही विकसित भारत की असली नींव हैं। वहीं जिला महामंत्री अमित मिश्रा ने दो टूक शब्दों में कहा कि गरीबों की सेवा और उनके आंसू पोंछना ही साक्षात ईश्वर की सेवा है। कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया कि अंत्योदय के सिद्धांत को जन-जन तक पहुँचाकर ही वे दम लेंगे। इस दौरान समूचा परिसर दीनदयाल उपाध्याय अमर रहें के नारों से गुंजायमान रहा। पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम में प्रमुख रूप से भाजपा जिला उपाध्यक्ष मनोज गुप्ता, संतोष लोहानी, भूपेंद्र मिश्रा,जिला महामंत्री अमित मिश्रा, महेश भागदेव, जिला मंत्री रविंद्र वर्मा, कार्यालय मंत्री अंकुश शर्मा, नगर अध्यक्ष प्रियम त्रिपाठी, अभिषेक चौकसे, आशीष तिवारी, अनमोल सोनी, ऋतुराज गुप्ता, राकेश कनौजिया, प्रदीप गुप्ता, शकील खान, आलेख श्रीवास्तव, राजेश तिवारी, निभा गुप्ता, संचिता सरवटे, विनय केवट सहित भारतीय जनता पार्टी के जिला पदाधिकारी एवं मंडल पदाधिकारी व वरिष्ठ ज्येष्ठ श्रेष्ठ कार्यकर्ता गण ने श्रद्धांजलि अर्पित कर नमन किया।

जिला पंचायत सीईओ का हंटर चला, खन्नौधी सचिव सस्पेंड

सचिव अवधेश कुशवाहा पर गिरी गाज, सीईओ की इस सर्जिकल स्ट्राइक से मची खलबली

शहडोल।

जिले की विकास की गंगा को भ्रष्टाचार के नाले में बहाने वाले सरकारी मुलाजिमों के खिलाफ जिला पंचायत सीईओ शिवम प्रजापति ने मोर्चा खोल दिया है । अपनी ईमानदारी और सख्त कार्यशैली के लिए पहचाने जाने वाले युवा आईएएस अधिकारी ने ग्राम पंचायत खन्नौधी में व्याप्त भ्रष्टाचार और मनमानी के खिलाफ कड़ा प्रहार करते हुए सचिव अवधेश प्रसाद कुशवाहा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। सीईओ की इस बड़ी कार्यवाही ने स्पष्ट कर दिया है कि शहडोल में जनता के पैसे का बंदरबांट करने वालों के लिए कोई जगह नहीं है ।

सीईओ की पैनी नजर

ग्राम पंचायत खन्नौधी में सचिव द्वारा की जा रही अनियमितताओं की शिकायत मिलते ही सीईओ शिवम प्रजापति ने मामले को गंभीरता से लिया । जहां पुराने ढर्रे पर फाइलों को दबाने की कोशिश होती थी, वहीं शिवम प्रजापति ने जांच के लिए दो सदस्यीय

समिति गठित कर भ्रष्टाचार की परतों को उधेडना शुरू कर दिया। जांच में पाया गया कि सचिव अवधेश कुशवाहा न केवल भ्रष्टाचार में संलिप्त थे, बल्कि उन्होंने जाँच दल को गुमराह करने के लिए मस्टररोल, बिल-वाउचर और कैशबुक जैसे महत्वपूर्ण दस्तावेज तक उपलब्ध नहीं कराए ।

वसूली डकारना पड़ा भारी

सीईओ की इस क्लीन स्वीप कार्यवाही का आधार सचिव द्वारा सरकारी राशि का गबन और आदेशों की अवहेलना बनी । न्यायालय मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत द्वारा सचिव को 1,53,870 रुपये की वसूली जमा करने का आदेश दिया गया था। भ्रष्ट सचिव को लगा कि वह तंत्र को ठेंगा दिखा देगा, लेकिन वह भूल गया कि कुर्सी पर अब शिवम प्रजापति जैसे सख्त अधिकारी बैठे हैं। वसूली राशि जमा न करने और बार-बार नोटिस की अनदेखी करने पर सीईओ ने सचिव को सस्पेंड कर जनपद मुख्यालय गोहपारू अटैच कर दिया है।

ऐसा अधिकारी ही बदल सकता है तस्वीर

सीईओ शिवम प्रजापति की इस कार्यवाही की चर्चा पूरे जिले में है। ग्रामीण क्षेत्रों में आम चर्चा है कि लंबे समय बाद शहडोल को ऐसा अधिकारी मिला है, जो न केवल फाइलों पर काम करता है, बल्कि भ्रष्टाचार के खिलाफ फील्ड पर भी उतना ही सख्त है। सीईओ ने जनपद सीईओ गोहपारू को निर्देशित किया है कि इस भ्रष्ट सचिव के विरुद्ध आरोप पत्र तैयार कर सख्त अनुशासनात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए । यह कार्यवाही उन सभी सचिवों और सरपंचों के लिए एक खुली चेतावनी है जो सरकारी धन को अपनी जागीर समझते हैं।

चंद घंटों में बेनकाब हुए लुटेरे, बैंक से रेकी कर उड़ाई थी रकम

शहडोल।

शहर में सक्रिय झपट्टा मार गिरोह और बदमाशों के हौसले पस्त करते हुए धनपुरी पुलिस ने चोरी की एक बड़ी वारदात का चंद घंटों में पर्दाफाश कर दिया है। बैंक से पैसे निकालकर घर जा रहे एक मासूम व्यक्ति को अपना शिकार बनाने वाले शातिर बदमाशों को पुलिस ने न केवल दबोचा, बल्कि उनके पास से लूटी गई पाई-पाई बरामद कर सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है।

पलक झपकते ही ले उड़े 30 हजार

बीते 7 फरवरी को वार्ड नंबर 2 निवासी नरेंद्र कुमार वर्मन धनपुरी एसबीआई बैंक से 30,000 रुपये निकालकर अपनी स्कूटी से घर जा रहे थे। जैसे ही वे गोप चौराहा पर अपने मामा के घर के सामने रुके, पीछे से घात लगाए बैठे दो बाइक सवार बदमाशों ने चीते जैसी फुर्ती दिखाई और स्कूटी पर टंगा रुपयों भरा झोला उड़ाकर रफूचक्कर हो गए। सरेराह हुई इस वारदात से इलाके में सनसनी फैल गई थी।

बुढ़ार और अमलाई के निकले शातिर

पुलिस ने घेराबंदी कर कॉलेज कॉलोनी बुढ़ार निवासी ओमप्रकाश रावत को दबोचा। सख्ती से हुई पूछताछ में उसने अपने साथी मोनू सिंह गोंड निवासी चाका बाना, अमलाई के साथ मिलकर चोरी की बात स्वीकार की। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे स 30,000 नगद, चोरी गई पासबुक एवं चेकबुक, घटना में प्रयुक्त बाइक और मोबाइल जब्त कर लिए हैं।

कैमरों ने उगला सच

मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीओपी विकास पाण्डेय के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी खेमसिंह पेन्द्रो ने तत्काल घेराबंदी की। पुलिस की स्पेशल टीम ने जब शहर के सीसीटीवी कैमरों को खंगाला, तो एक संदिग्ध हीरो एक्सट्रीम बाइक कैद मिली। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों का पीछा करते हुए बाइक मालिक को पकड़ा, जिसने खुलासा किया कि गाड़ी ओमप्रकाश रावत ले गया था।

जनता में पुलिस का खौफ बरकरार

इस त्वरित कार्रवाई ने अपराधियों को साफ संदेश दिया है कि धनपुरी की सीमा में अपराध कर बचना नामुमकिन है। इस साहसिक कार्यवाही में निरीक्षक खेमसिंह पेन्द्रो, सउनि भूपेन्द्र सिंह, प्रधान आरक्षक रामनाथ, दिनेश, शैलेन्द्र और आरक्षक अजय सिंह की भूमिका रही।

विरोध प्रदर्शन पर छात्र को बनाया अपराधी सलाखों के पीछे बर्बाद किया भविष्य!

शहडोल। लोकतंत्र में विरोध की आवाज दबाने के लिए शहडोल प्रशासन किस हद तक गिर सकता है, इसका शर्मनाक उदाहरण धनपुरी में देखने को मिला। मुख्यमंत्री के काफिले को काले झंडे दिखाने की कोशिश करने वाले प्रदर्शनकारियों पर असामाजिक तत्व का ठप्पा लगाकर प्रशासन ने एक 12वीं के छात्र को जेल की कालकोठरी में झोंक दिया। हद तो तब हो गई जब अपनी गर्दन बचाने के लिए अब प्रशासन अजीबोगरीब सफाई पेश कर रहा है।

नाबालिग पर सिस्टम का वार- सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब 8 फरवरी को गिरफ्तारी हुई और तहसीलदार के सामने पेशी हुई, तो क्या प्रशासन की आँखें बंद थीं? किसी को जेल भेजने से पहले उसकी पहचान और आयु का सत्यापन करना अनिवार्य है, लेकिन यहां साहब को खुश करने की जल्दबाजी में नियम-कानूनों को ताक पर रख दिया गया। एक छात्र को आधी रात तक अपराधी बनाकर जेल में रखा गया और अब कलेक्टर सफाई दे रहे हैं कि उन्हें रात 8:30 बजे जानकारी मिली। सवाल खड़ा होता है कि जिम्मेदार तहसीलदार और पुलिस अधिकारियों पर अब तक गाज क्यों नहीं गिरी?

जेल की दहशत और परीक्षा से दूरी - प्रशासन का दावा है कि छात्र सत्यम को सुबह 6:55 पर रिहा कर 50 रुपये किराया देकर बस में बैठाया गया, लेकिन क्या एसी कमरों में बैठे अधिकारी यह समझ सकते हैं कि पूरी रात जेल की दहशत में बिताने वाले एक छात्र की मानसिक स्थिति क्या रही होगी, प्रशासन का यह तर्क कि वह जानबूझकर परीक्षा देने नहीं गया, उसकी अपनी विफलता को छिपाने का भद्दा प्रयास है। एक मासूम छात्र, जिसे पुलिस और जेल के बीच घसीटा गया, वह किस मानसिक स्थिति में परीक्षा हॉल तक पहुंचता।

विपक्ष को असामाजिक बताना लोकतंत्र का अपमान- प्रशासन अपनी रिपोर्ट में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और प्रदर्शनकारियों को असामाजिक तत्व कह रहा है। अपनी मांगों के लिए काले झंडे दिखाना लोकतांत्रिक अधिकार है, अपराध नहीं, लेकिन शहडोल प्रशासन ने इसे अपराध बना दिया। बिना आईडी देखे छात्र को जेल भेजने वाले तहसीलदार पर कार्यवाही आखिर प्रशासन क्यो नहीं कर रहा, क्या मुख्यमंत्री की सुरक्षा के नाम पर किसी का भविष्य बर्बाद करना जायज है। जेल के साये से निकले सहमे हुए छात्र से नॉर्मल व्यवहार की उम्मीद करना क्या मजाक नहीं है। शहडोल प्रशासन की यह वस्तुस्थिति दरअसल अपनी अक्षमता को ढकने का एक दस्तावेज़ मात्र है। एक होनहार छात्र का साल बर्बाद करने का पाप इस सिस्टम के माथे पर हमेशा रहेगा।

कलेक्टर ने छात्र के जेल जाने और परीक्षा छूटने की खबरों का किया खंडन- मुख्यमंत्री के प्रवास के

दौरान काले झंडे दिखाने वाले छात्र सत्यम की परीक्षा छूटने के मामले में कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने वास्तविक तथ्यों से अवगत कराया है। प्रशासन के अनुसार, यह दावा गलत है कि छात्र को परीक्षा से वंचित किया गया। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि 09 फरवरी की रात छात्र के परीक्षा की जानकारी मिलते ही तत्काल रिहाई आदेश जारी किए गए। जेल नियमों के कारण उसे 10 फरवरी को सुबह 06:55 बजे जेल से रिहा कर दिया गया। जेल प्रहरी ने उसे 50 रुपये किराया देकर बस में बैठाया और आरक्षक अशोक धुर्वे की निगरानी में वह सुबह 08:00 बजे शहडोल पहुंच गया था। प्रशासन का कहना है कि परीक्षा केंद्र पहुंचने के लिए पर्याप्त समय (2 घंटे) होने के बावजूद सत्यम केंद्र नहीं गया। इसकी पुष्टि केंद्राध्यक्ष और निरीक्षण दल ने भी की है। कलेक्टर के अनुसार, गिरफ्तारी के समय सत्यम या उसके वकील द्वारा उसके नाबालिग होने का कोई दस्तावेज पेश नहीं किया गया था। उसे असामाजिक तत्वों के साथ कानून व्यवस्था बिगाडऩे के आरोप में पकड़ा गया था। प्रशासन ने मानवीय आधार पर बिना जमानत याचिका के ही उसे परीक्षा हेतु रिहा किया था।

आखेटपुर में मवेशी के झटके ने उजाड़ा परिवार, भरभराकर गिरी दीवार, मलबे में दबने से किसान की मौत

शहडोल। जिले के ब्यौहारी थाना क्षेत्र के आखेटपुर गांव में मंगलवार की शाम एक ऐसी अनहोनी हुई जिसने पूरे गांव को झकझोर कर रख दिया। मवेशियों को सुरक्षित बांधने की कोशिश कर रहे 53 वर्षीय किसान अयोध्या कोल के लिए उनकी पुरानी सार ही काल बन गई। कमजोर दीवार गिरने से हुए इस दर्दनाक हादसे में किसान की मौके पर ही मौत हो गई, जिससे परिवार की खुशियां मातम में बदल गईं।

झटके के साथ ढही दीवार, मलबे में दबी जिंदगी

जानकारी के अनुसार, किसान अयोध्या कोल शाम करीब 7 बजे जंगल से मवेशी चराकर लौटे थे। वे घर के पास स्थित पुरानी सार में एक मवेशी को खूंटे (लोहे के सहारे) से बांध रहे थे। इसी बीच मवेशी ने अचानक भागने के लिए जोरदार झटका दिया। मवेशी का झटका इतना जबरदस्त था कि बरसों पुरानी जर्जर दीवार उसे झेल नहीं पाई और सीधे किसान के ऊपर आ गिरी। भारी-भरकम मलबे के नीचे दबे अयोध्या को जब तक ग्रामीण बाहर निकालते, तब तक उनके प्राण पखेरू उड़ चुके थे।

गांव में पसरा सन्नाटा, प्रशासन से मुआवजे की मांग

घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी जियाउल हक पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और मर्ग कायम कर जांच शुरू की। बुधवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। इस हादसे ने एक झटके में परिवार का सहारा छीन लिया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से पुरजोर मांग की है कि पीड़ित गरीब परिवार को तत्काल आर्थिक सहायता और मुआवजा प्रदान किया जाए।

खबर संक्षेप

सुलभ यातायात संचालन हेतु एकाकी मार्ग घोशित

उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने मोटर यान अधिनियम 1988 की धारा 115 में विहित प्रावधनो के तहत म.प्र. मोटर यान नियम 1994 के नियम 215 के आधीन एवं पुलिस अधीक्षक उमरिया अनुशंसा के आधार पर गांधी चौक शिवालय होटल से छोटी पुल खलेसर तक के मार्ग को जाने का तथा छोटी पुल से विसर्जन स्थल होते हुये खलेसर रोड, गोपाल पुस्तक भंडार वाला मार्ग आने के लिये सुलभ यातायात संचालन हेतु समय सुबह 9 बजे से रात्रि 9 बजे तक के लिए एकांकी मार्ग घोषित किया जाता है। यह आदेश तत्काल प्रभवशील हो गया है।

पेड़ से टकराकर कार हुई दुर्घटनाग्रस्त, चालक की मृत्यु

चचाई। चचाई विवेक नगर मुख्य हाइवे मार्ग पर 10 तारीख की दरमियानी रात्रि 2:30 बजे के करीब एक कार पेड़ से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई जिसमें कार चालक की मृत्यु हो गई। जानकारी के अनुसार अनूपपुर से शहडोल की ओर जा रही तेज रफ्तार कार में सवार मोहम्मद राशिद रजा पिता मोहम्मद राशिद खान उम्र 28 वर्ष निवासी बाणसागर देवलौद बताया गया।

अवैध रेत चोरी कर परिवहन करते पाए जाने पर बिजुरी पुलिस द्वारा की गई कार्यवाही

बिजुरी। बिजुरी पुलिस द्वारा 10 फरवरी को अवैध रेत उत्खनन कर परिवहन की मुखबिर सूचना पर खेडिया क्रेशर तिराहे पर घेराबंदी कर एक लाल रंग का महिन्द्रा कंपनी का 275 डीआई एक्सपी बिना नंबर को मय ट्राली जिसमे एक घन मीटर करीब रेत भरा हुआ रेत की कीमत करीब 5000 रुपये एवं ट्रेक्टर ट्राली की कीमत 500000 रुपये कुल कीमती 505000 रुपये को जप्त कर कब्जे पुलिस लिया गया तथा आरोपी चालक सत्यनारायण साहू उर्फ लाल पिता धनपत साहू उम्र 40 वर्ष निवासी वार्ड क्रं 12 बहेराबांध थाना बिजुरी जिला अनूपपुर के विरुद्ध अपराध धारा 303 (2), 317 (5) बीएनएस 4/21 खान खनिज अधिनियम, 39/192 एम.व्ही एक्ट का पंजीबद्ध किया जाकर अनुसंधान किया जा रहा है। उक्त रेड कार्यवाही में थाना प्रभारी बिजुरी निरी विकास सिंह, प्र.आर. बसन्त कोल, आर. मनोज उपाध्याय, आर. रामनिवास गुर्जर की उल्लेखनीय भूमिका रही।

वर्षों से जमे मीट दुकानों को रेलवे प्रशासन की टीम के द्वारा की गई हटाने की कार्यवाही

कोतमा। नगर के वार्ड क्रमांक सात में रेलवे लाइन के किनारे मुख्यमंत्री के आदेशों की खुलेआम धज्जियां उड़ाते हुए रेलवे की भूमि मे खुले में मांस की बिक्री किए जाने के संबंध में हरिभूमि ने प्रमुखता से समाचार प्रकाशित किया था जिसमें रेलवे की भूमि पर मांस की दुकान लगाकर खुलेआम मीट दुकान संचालकों के द्वारा संचालित किया जा रहा है। जिसे रेल प्रशासन ने गंभीरता से लेते हुए बुधवार को रेलवे लाइन किनारे वर्षों से जमे मीट बाजार की दुकानों को रेलवे प्रशासन की टीम के द्वारा हटाने की कार्यवाही की गई है। बताया जाता है कि रेलवे विभाग के द्वारा पूर्व में हटाने की कार्यवाही की गई थी वावजूद फिर से कब्जे धारियों ने दुकान संचालित कर लिया था। रेलवे लाइन के बगल से लगभग 10 दुकानों का संचालन अस्थाई कब्जा कर लंबे समय से किया जा रहा था जिसकी दुर्गंध एवं बदबू से परेशान नागरिकों द्वारा लगातार रेलवे प्रबंधन एवं नगर पालिका से दुकान हटाने की मांग की जा रही थी। बुधवार को रेलवे पुलिस एवं आईओडब्लू की संयुक्त टीम के द्वारा सुबह से रेलवे कॉलोनी के पास स्थित मुर्गी बाजार पहुंचते हुए दुकानों को हटाने की कार्यवाही शुरू की गई। इस दौरान कुछ दुकानदारों द्वारा मामूली विरोध भी किया गया जिसके बाद सयुक्त टीम द्वारा सभी दुकानो को हटाया गया। विदित रहे कि रेलवे लाइन किनारे वर्षों से एक दर्जन से ज्यादा मीट की दुकानें सजाई जाती है। जिससे आस पास रहने वाले घरों की महिलाएं एवं राहगीर दुर्गंध एवं गंदगी से परेशान रहते हैं। जहां पर बीच-बीच में रेलवे प्रबंधन दुकान हटाने की कार्यवाही करता है लेकिन कुछ दिनों बाद पुनः दुकान यथावत दुकान सजा लेते हैं। मीट बाजार के सामने मुख्य मार्ग भी है जिससे स्कूली छात्राएं, राहगीरों के साथ महिलाओं एवं मंदिर जाने वालों का आवागमन पूरे दिन बना रहता है। सुबह मंदिर जाने वाली महिलाओं को रास्ते में पड़े मीट के टुकड़ों एवं दुर्गंध से शर्मसार होना पड़ता है। मीट दुकानें हटाए जाने पर नागरिकों ने राहत महसूस किया है।

उमरिया में धान परिवहन के नाम पर सरकारी डकैती

60 क्विंटल अनाज हवा में गायब!

जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत के बाद भी कुंभकर्णी नींद में प्रशासन

उमरिया। जिले में धान उपार्जन की व्यवस्था अब किसानों की मदद का जरिया नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार का सेफ पैसेज बन चुकी है। घुनघुटी उपार्जन केंद्र से सामने आई धान की भारी हेराफेरी ने यह साबित कर दिया है कि जिले का प्रशासनिक अमला और खाद्य विभाग पूरी तरह नतमस्तक है। मामला केवल धान की कम तुलाई का नहीं है, बल्कि यह सीधे तौर पर किसानों के पसीने की कमाई और सरकारी खजाने पर डाली गई सुनियोजित डकैती है। धान उपार्जन केंद्र से लेकर वेयरहाउस तक की यह पूरी चेन भ्रष्टाचार के दीमक की चपेट में है। अगर आज 60 क्विंटल धान की इस चोरी को दबा दिया गया, तो कल पूरा का पूरा उपार्जन तंत्र ढह जाएगा। यह किसानों के भरोसे के साथ किया गया क्रूर मजाक है। जिला प्रशासन, खाद्य विभाग और सहकारिता विभाग की यह सामूहिक विफलता है।

वेयरहाउस पहुंचते ही गायब हो गया अनाज

बहु आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित घुनघुटी के दावों ने जिला प्रशासन की पोल खोलकर रख दी है। आंक? गवाही दे रहे हैं कि 23 दिसंबर 2025 से 3 जनवरी 2026 के बीच उपार्जन केंद्र से 20 ट्रक धान पूजा वेयरहाउस पाली के लिए रवाना किए गए, लेकिन जैसे ही ये ट्रक वेयरहाउस पहुंचे, चमत्कारिक रूप से प्रति वाहन औसतन 3 क्विंटल धान गायब हो गया।

कुल 60 क्विंटल धान का यह शॉर्टेज महज इत्तेफाक नहीं हो सकता। यह परिवहन कर्ताओं, वेयरहाउस संचालकों और विभागीय अफसरों की उस सांठ-गांठ की ओर इशारा कर रहा है, जो कागजों पर तो ऑल इज वेल दिखाते हैं, लेकिन धरातल पर अनाज की बोरियां पार कर देते हैं।

सत्यापन के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति

इस पूरे खेल में तकनीक को भी ढाल बनाया गया है। जब एक वाहन को संदेह के आधार पर इलेक्ट्रॉनिक कांटे पर 600 बार तौला गया, तो वहां 2.05 क्विंटल धान अधिक मिला, लेकिन हकीकत तब सामने आई जब खाद्य आपूर्ति निरीक्षक और नाप-तौल अधिकारियों की मौजूदगी में दोबारा सत्यापन हुआ। पूजा वेयरहाउस में वही धान फिर से कम निकला। सवाल यह है कि क्या कांटे में खराबी है या अफसरों की नीयत में खराबी है, जब जिम्मेदार अधिकारियों की नाक के नीचे धान गायब हो रहा है, तो क्या यह माना जाए कि जांच के नाम पर केवल लीपापोती का खेल चल रहा है।

पोर्टल पर दर्ज हुई शिकायत

प्रदेश के मुख्यमंत्री भले ही सुशासन का दावा करें, लेकिन उमरिया का प्रशासन जनसुनवाई जैसे संवैधानिक मंच को भी ठेंगा दिखा रहा है। समिति ने 27 जनवरी 2026 को जन-सुनवाई पोर्टल (शिकायत क्रमांक 36528603) पर अपनी गुहार दर्ज कराई थी। नियमानुसार अब तक दोषियों पर कार्रवाई की गाज गिर जानी चाहिए थी, लेकिन हकीकत यह है कि आज तक न तो कोई जांच कमेटी मौके पर पहुंची और न ही किसी जिम्मेदार से जवाब तलब किया गया। प्रशासन की यह चुप्पी मौन सहमति की तरह चुभ रही है। क्या अधिकारियों को किसी बड़े रसूखदार के फोन का इंतजार है या फिर इस भ्रष्टाचार की गंगा में ऊपर से नीचे तक सबके हाथ डूबे हुए हैं?

जन जागरूकता रथ को कलेक्टर ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

उमरिया। वित्तीय साक्षरता सप्ताह अंतर्गत कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने कलेक्टर सभागार से एल ई डी. मोबाइल वैन को हरी झंडी दिखाकर जिले में जन जागरूकता हेतु रवाना किया। एलडीएम सेवकराम सोनवानी ने बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक के मार्गदर्शन में 13 फरवरी तक वित्तीय साक्षारता सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है जिसमे भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा इस वर्ष वित्तीय साक्षारता सप्ताह की थीम केवायसी सुरक्षित बैंकिंग कि ओर पहला कदम रखी गई है। कार्यक्रम अंतर्गत आम नागरिको को ग्राहक पहचान प्रक्रिया (केवायसी, सी-केवायसी),खाता स्वच्छता एवं वित्तीय अनुशासन कि जानकारी दी जा रही है। आयोजन का मुख्य उद्देश्य ग्राहकों को बैंकिंग से जुड़े धोखाधड़ी जैसे डिजिटल अरेस्ट ,यूपीआई स्कैम, फोन काल फ्राड ,फिशिंग लिंक (फर्जी इमेल , लिंक पर क्लिक कराकर पासवर्ड /ओ टी पी या पिन निकालना,सिम कार्ड कि क्लोनिंग, स्क्रीन शेयरिंग एप से ठगी इत्यादि मामलों से सतर्क करना तथा सुरक्षित और जिम्मेदार बैंकिंग को बढ़ावा देना है। एस. बी.आई., जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक सेवक राम सोनवानी ने सभी ग्राहकों

से अपील की है कि वे वित्तीय साक्षरता सप्ताह में भाग लेकर सुरक्षित बैंकिंग से जुडी महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्राप्त करें क्योकि आपकी सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। कार्यक्रम में मुख्य प्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक निशांत कुमार बाजपाई , निर्देशक एसबीआई आरसेटी उमरिया तरुण कुमार सिंह, सी एफ एल समर्पित एनजीओ के जिला संयोजक नारायण राठोर तथा पुनीत जोगी, अंकिता गुप्ता , राजेन्द्र प्रसाद यादव, राज बहादुर जैसवाल,राजकुमार श्रीवास्तव सीएससी जिला प्रबंधक की सहभागिता रही।

खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन भंडारण की प्राप्त शिकायतों पर प्रभावी कार्यवाही हेतु दल गठित

उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने खनिजो के अवैध, उत्खनन, परिवहन भंडारण से संबंधित प्राप्त शिकायतों को दृष्टिगत रखते हुए अभियान के रूप में प्रभावी कार्यवाही, रोकथाम नियंत्रण हेतु अधिकारियों कर्मचारियों का दल गठित किया है । दल में अनुभाग बांधवगढ़, अनुभाग पाली तथा अनुभाग मानपुर के संबंधित अनुविभागीय अधिकारी राजस्व,अनुविभागीय अधिकारी वन , अनुविभागीय अधिकारी बीटी आर, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस, जिला परिवहन अधिकारी, सहायक खनि अधिकारी, खनि निरीक्षक, प्रभारी खनि निरीक्षक खनिज शाखा शामिल है । उन्होने कहा है कि अनुविभागीय अधिकारी बांधवगढ़,पाली एवं मानपुर अपने-अपने अनुभाग में अभियान चलाकर कार्यवाही किया जाना सुनिश्चित करें। खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन,भंडारण पर पूर्ण रूपेण रोकथाम हेतु अभियान संचालित कर पृथक-पृथक या संयुक्त रूप से शिकायती स्थलों की जाँच कर प्रकरण पंजीबद्ध करें तथा खनिज कार्यालय की ओर अग्रिम कार्यवाही हेतु प्रेषित करें। स्वीकृत रेत खदानों में इन-स्ट्रीम माइनिंग पूर्णतः प्रतिबंधित की जाये। ई-टीपी में अंकित मात्रा से अधिक खनिज का परिवहन न हो साथ ही क्षमता से अधिक खनिज का परिवहन करने वाले वाहनों पर भी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। समस्त अनुभाग अधिकारी अपने-अपने अनुभाग में समाचार पत्र,आम-जन से प्राप्त शिकायतों को संज्ञान में लेते हुए निर्देशानुसार कार्यवाही सुनिश्चित करते हुये की गई कार्यवाही का पाक्षिक (15 दिवस) पालन प्रतिवेदन कलेक्टर को प्रस्तुत करना सुनिश्चित करेंगे।

किसानों की फार्मर आईडी बनवाने अभियान प्रारंभ

उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने बताया कि उमरिया में कुल सूचीबद्ध किसानों की संख्या लगभग 400551 है,जिसमें से 117626 किसानों की फार्मर आईडी बनाई जा चुकी है।शेष लगभग 282925 किसानों की फार्मर आईडी शीघ्र बनवाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि, फसल उपार्जन, फसल बीमा, उर्वरक सब्सिडी एवं अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अति महत्वपूर्ण है।

उन्होंने बताया कि जिले में राजस्व विभाग, कृषि विभाग नगरीय निकाय एवं ग्राम पंचायतों के अधिकारी एवं कर्मचारी ग्राम पंचायतों, सहकारी समितियों एवं सामुदायिक केंद्रों पर कैंप लगाकर फार्मर आईडी पोर्टल के माध्यम से बनवाने में सहायता प्रदान करेंगे । संबंधित किसान सीएससी, एमपीआनलाइन सेंटर्स के माध्यम से भी अपना फार्मर आईडी बनवा सकते हैं। जिले के समस्त किसान भाइयों / बहनों से अपील की गई है कि आधार कार्ड, भूमि दस्तावेज एवं बैंक विवरण लेकर नजदीकी ग्राम पंचायतों, सहकारी समितियों, सामुदायिक केंद्रों अथवा सीएससी, एमपीआनलाइन सेंटर्स संपर्क करें। अधिक जानकारी के लिए जिला भू-अभिलेख कार्यालय, तहसील कार्यालय, नगरीय निकायों के कार्यालय या कृषि विभाग के कार्यालय से संपर्क किया जा सकता है ।

नवागत मुख्य नगर पालिका अधिकारी लखन लाल पनिका ने नगर परिषद बनगवां में संभाला पदभार

राजनगर। कार्यालय संभागीय संयुक्त संचालक नगरीय प्रशासन एवं विकास शहडोल के पत्र क्रमांक 474/सं.सं./स्था./2026, शहडोल दिनांक 06 फरवरी के अनुसार नगर परिषद बनगवां (राजनगर) को लखन लाल पनिका नये मुख्य नगर पालिका अधिकारी के रूप में मिले हैं। सोमवार को लखन लाल पनिका ने नगर परिषद बनगवां (राजनगर) पहुंच कर मुख्य नगर पालिका अधिकारी के रूप में पद ग्रहण किया। मुख्य नगर पालिका अधिकारी लखन लाल पनिका के नगर परिषद कार्यालय पहुंचने पर नगर परिषद अध्यक्ष यशवंत सिंह ने पुष्प भेंट कर कर, शाल श्रीफल एवं माला पहनाकर उनका हार्दिक स्वागत किया। इस दौरान नगर परिषद के पार्षद, लेखापाल, कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी का नगर वासियों के लिए संदेश

मुख्य नगर पालिका अधिकारी लखन लाल पनिका ने नगर परिषद बनगवां क्षेत्र के सभी नगर

वासियों को संदेश देते हुए कहा कि, नगर को स्वच्छ, सुव्यवस्थित और विकसित बनाना है। उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उन्होंने यह बताया कि नगर में सफाई व्यवस्था, पेयजल सड़क, प्रकाश व्यवस्था और अन्य मूलभूत सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। शासन की सभी योजनाओं को पारदर्शी ढंग से जनता तक पहुंचाना और समस्याओं का तुरंत निराकरण करना उनके कार्य योजना में शामिल रहेगा।

अनुभवी मुख्य नगर पालिका का अनुभव रहा

लखन लाल पनिका पर वर्ष 2003 में नगरीय प्रशासन विभाग में कार्यरत हैं। वे पूर्व में नगर परिषद डोला तथा नगर परिषद डूमकछार में मुख्य नगर पालिका अधिकारी के रूप में अपनी सेवा दे चुके हैं। इसके साथ ही वर्तमान में नगर पालिका बिजुरी में सहायक राजस्व निरीक्षक के पद पर कार्यरत है। उनकी पहचान एवं जमीनी स्तर पर काम करने वाले अधिकारी के रूप में की जाती रही है। सुबह से ही नगर के विभिन्न वार्डों को स्वयं निरीक्षण कर कर्मचारियों के साथ मिलकर साफ सफाई तथा नगर के विकास कार्यों के लिए स्वयं निगरानी करते रहे हैं। नगर परिषद बनगवां (राजनगर) एक नई नगर परिषद बनी है। जिसमें एक अनुभवी अधिकारी के रूप में अब लखन लाल पनिका कार्य करेंगे। और नगर को विकास की ओर ले जाने में अपनी भूमिका निभाएंगे।

बिना परमिट एवं बीमा वाहनों पर आरटीओ की सख्त कार्रवाई

राजनगर। मध्यप्रदेश परीवहन विभाग में परिवहन नियमों के उल्लंघन पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से नवागत परिवहन आयुक्त उमेश जोगा एवं जिला कलेक्टर हर्षल पंचोली के निर्देश एवं जिला परिवहन अधिकारी सुरेंद्र सिंह गौतम के मार्गदर्शन में चेकप्वाइंट अनूपपुर-1 पर विशेष जांच अभियान चलाया गया। इस कार्रवाई का नेतृत्व चेकप्वाइंट प्रभारी पंकज कुमार जैन द्वारा अपनी टीम के साथ किया गया। जांच के दौरान बिना वैध परमिट एवं बिना बीमा के संचालित पाए गए कई भारी वाहनों को रोका गया। इनमें वाहन क्रमांक सीजी 10 बीएस 8981, सीजी 10 बीएस 8926, सीजी 10 बीएस 8927, सीजी 10 बीएस 3011, सीजी 10 बीएस 3009, सीजी 10 बीएस 8925, सीजी 10 बीएस 3010 एवं सीजी 10 बीएस 8982 शामिल हैं। संबंधित वाहनों के विरुद्ध मोटरयान अधिनियम 1988 एवं मध्यप्रदेश मोटरयान कराधान अधिनियम 1991 के अंतर्गत चालानी कार्रवाई की गई। इस विशेष अभियान के अंतर्गत कुल 4,23,000 (चार लाख तेईस हजार रुपये) का राजस्व शासन को एक ही दिन में प्राप्त हुआ।

कार्रवाई के दौरान वाहन दस्तावेजों की गहन जांच की गई एवं वाहन चालकों को परिवहन नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करने के निर्देश दिए गए। बॉर्डर चेकपोस्ट बंद होने के बाद कर अपवंचन (टैक्स चोरी) ओवरलोड के मामलों में वृद्धि देखी जा रही है, जिसे रोकने के लिए लगातार सघन जांच अभियान चलाए जा रहे हैं। चेकप्वाइंट प्रभारी पंकज कुमार जैन ने स्पष्ट किया कि भविष्य में भी बिना परमिट, बिना बीमा एवं कर अपवंचन करने वाले वाहनों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई जारी रहेगी, ताकि सड़क सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके और राजस्व की हानि रोकी जा सके।

सीएचसी परासी में वित्तीय प्रभार की उलझन से चरमराईं स्वास्थ्य सेवाएं

जिला प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग

बदरा/जमुना। विकासखंड अनूपपुर अंतर्गत स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परासी (सीएचसी परासी) इन दिनों वित्तीय एवं प्रशासनिक अधिकारों के अभाव में गंभीर अव्यवस्था का सामना कर रहा है इस संबंध में पूर्व सरपंच वीरेंद्र सिंह परासी ने शासन और जिला प्रशासन को विस्तृत आवेदन सौंपते हुए तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई की मांग की है। आवेदन में बताया गया है कि वर्तमान में अस्पताल का वित्तीय प्रभार बीएमओ डॉ. धनीराम के पास है, जो फूनगा अस्पताल में पदस्थ हैं और परासी में नियमित रूप से उपस्थित नहीं रहते पौड़ी, लतार, हरद, कोटमी सहित

परिणामस्वरूप छोटी-छोटी आवश्यकताओं के लिए भी स्वीकृति प्रक्रिया लंबित रहती है, जिससे दवाइयों की उपलब्धता, वैक्सीन परिवहन, गंभीर मरीजों के रेफरल, एम्बुलेंस ईंधन प्रबंधन, भवन की लघु मरम्मत, बिजली-पानी व्यवस्था और साफ-सफाई जैसी मूलभूत सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। वीरेंद्र सिंह ने स्पष्ट कहा कि सीएचसी परासी केवल एक ग्राम का नहीं, बल्कि परोड़, धूरवासिन, तितरी आसपास के अनेक गांवों की बड़ी आबादी के लिए प्रमुख स्वास्थ्य केंद्र है ऐसे में वित्तीय अधिकारों की कमी का सीधा असर हजारों मरीजों पर पड़ रहा है। उन्होंने मांग की है कि परासी में पदस्थ डॉक्टर को ही वित्तीय एवं प्रशासनिक प्रभार सौंपा जाए, ताकि त्वरित निर्णय लेकर स्वास्थ्य सेवाओं का सुचारु संचालन सुनिश्चित किया जा सके यदि शीघ्र कदम नहीं उठाए गए तो जनआक्रोश बढ़ने की आशंका जताई गई है।

गेट दफाई में फिर सजा अवैध 52 पत्ती का अड्डा

अशोक उर्फ डुग्गू पर घर में जुआ खिलाने का आरोप, मुन्ना रजक परिवार के 6 सदस्यों की आत्महत्या की घटना से दहला था क्षेत्र

बदरा/जमुना। कोयलांचल क्षेत्र अंतर्गत थाना भालूमाड़ा के गेट दफाई इलाके में अवैध जुए के फिर से सक्रिय होने की शिकायतों ने स्थानीय नागरिकों की चिंता बढ़ा दी है क्षेत्रवासियों का आरोप है कि अशोक उर्फ डुग्गू के घर पर खुलेआम 52 पत्ती (ताश) का खेल संचालित किया जा रहा है, जहां प्रतिदिन बड़ी रकम दांव पर लगाई जाती है और देर रात तक जमावड़ा लगा रहता है। स्थानीय लोगों के अनुसार इस जुए की चपेट में युवा, मजदूर वर्ग और कालरी कर्मचारी तेजी से फंसते जा रहे हैं मेहनत की गाढ़ी कमाई एक ही रात में हार जाने से परिवार आर्थिक तंगी, कर्ज और मानसिक अवसाद का शिकार हो रहे हैं कई घरों में कलह, मारपीट और पारिवारिक

विघटन की स्थिति बन रही है सामाजिक असुरक्षा और अपराध की आशंका भी बढ़ती जा रही है। गौरतलब है कि पूर्व में जमुना कॉलोनी निवासी मुन्ना रजक के परिवार के 6 सदस्यों द्वारा आत्महत्या किए जाने की दर्दनाक घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया था स्थानीय लोग उस त्रासदी को याद कर आशंका जता रहे हैं कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो वैसी ही स्थिति दोबारा बन सकती है। नागरिकों ने पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान से तत्काल छापामार कार्रवाई कर अवैध जुए के इस कारोबार पर सख्ती से रोक लगाने की मांग की है लोगों का कहना है कि कानून का भय समाप्त होता दिख रहा है और यदि प्रशासन ने शीघ्र हस्तक्षेप नहीं किया तो कई और परिवार बर्बादी की कगार पर पहुंच सकते हैं।

खबर संक्षेप

अलग अलग स्थानों से पकड़े गये 12 जुआरी

कटनी। एन.के.जे. और बड़वारा पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर जुआ खेल रहे 12 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने जुआरियों के पास से नगदी और ताश के पत्ते भी बरामद किये हैं। जानकारी के अनुसार एन.के.जे. पुलिस ने मुखबिर से मिली सूचना पर ग्राम देवराखुर्द के मैदान में चल रहे जुए के दो फड़ों में दबिश दी। पुलिस को देख जुआरियों ने भागने की कोशिश की जिनको घेराबंदी कर पकड़ा। पुलिस ने जिन लोगों को पकड़ा है उनमें रहबर खान 30 वर्ष, शईम खान वर्ष, और खलील खान वर्ष, निवासी जुगियाकाप शामिल हैं। इनके पास से 280 रुपये और ताश बरामद किए गए। वहीं दूसरे स्थान पर जुआ खेल रहे फारूख खान 32 वर्ष, ताहिर खान 28वर्ष, अजीम खान 45 वर्ष और अनिकेत खान 23 वर्ष को गिरफ्तार किया गया। इनके कब्जे से 610 रुपये नगद जब्त किया गया। वहीं बड़वारा पुलिस ने भी मुखबिर की सूचना पर ग्राम मुड़ेहरा में छापेमारी कर जुआरियों को पकड़ा। पुलिस ने मुड़ेहरा निवासी जग्गू प्रसाद चौधरी 35 वर्ष, गुड्डू प्रसाद चौधरी 39 वर्ष और गेंदा सिंह राठौर 42 वर्ष को पकड़ा। तीनों के पास से 370 रुपये नगद जब्त किया गया। इसी ग्राम के गोविंद प्रसाद केवट 40 वर्ष और पंकज केवट 34 वर्ष को जुआ खेलते पकड़ा गया, जिनसे 260 रुपये जब्त किया गया।

नागरिक सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण का आयोजन

कटनी। कलेक्टर आशीष तिवारी के मार्गदर्शन में सिविल डिफेंस टाउन कटनी द्वारा 7 दिवसीय नागरिक सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ होमगार्ड कार्यालय झिंझरी में किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डिप्टी कलेक्टर श्रीमती विंकी सिंहमारे उइके रहीं। श्रीमती सिंहमारे ने उपस्थित सिविल डिफेंस प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए नागरिक सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए प्रशिक्षण को गंभीरता से ग्रहण करने का आह्वान किया। प्रशिक्षण सत्रों में सेवानिवृत्त डिस्ट्रिक्ट कमाण्डेंट के.के. डाबराल, सेवानिवृत्त कंपनी कमाण्डर ओ.पी. दुबे, मास्टर ट्रेनर तिलकेश्वर परौहा तथा देवेश गौतम (रेंजर, वन विभाग कटनी) द्वारा नागरिक सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर व्यावहारिक एवं सैद्धांतिक प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्देश्य आपदा की स्थिति में त्वरित एवं प्रभावी प्रतिक्रिया हेतु प्रशिक्षित स्वयंसेवकों का निर्माण करना है, जिससे जन-धन की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

श्री मती उमा देवी गुप्ता का निधन

ब्योहारी - ब्योहारी के प्रतिष्ठित व्यापारी श्री जमुना प्रसाद गुप्ता की धर्मपत्नी श्रीमती उमा देवी गुप्ता 80 के लगभग वार्ड 13 का आकस्मिक निधन हो गया। आपके निधन से समस्त समाज व व्यापारी संघ में शोक में डूब गया है आपको बता दें कि मुकेश गुप्ता व सुभाष गुप्ता कि माता जी थी। अन्तिम संस्कार शासकीय मुक्ति धाम बी.एस.एन. एल. आफिस के पीछे चौधरी तालाब वार्ड 13 में किया गया है।

भारत गुप्ता का निधन

ब्योहारी। ब्योहारी वार्ड 9 जनपद पंचायत शहडोल रोड़ निवासी श्री पुरूषोत्तम दास गुप्ता अवकाश प्राप्त रेन्जर साहब गुप्ता के बड़े पुत्र श्री भारत गुप्ता प्रतिष्ठित व्यापारी माहामाया पैथालॉजी 55 वर्ष के लगभग का हृदय गति रुक जाने से अचानक निधन हो गया। नगर में जब प्रतिष्ठित व्यापारी श्री भारत गुप्ता माहामाया पैथालॉजी निधन कि खबर सुबह लोग व्यापारी संघ व नगर के समस्त समाज व केसरवानी समाज के लोग उनके निवास स्थान पर शोकाकुल परिवार को हृदय विदारक घटना सहनें कि ईश्वर शक्ति प्रदान कर । अन्तिम संस्कार कल 12 फरवरी गुरुवार को सुबह 10 के लगभग बी. एस. एन. एल. आफिस के पीछे शासकीय मुक्ति धाम वार्ड 13 में अन्तिम संस्कार होगा।

मेडल हासिल होने पर कांग्रेस ने किया अभिनंदन

प्रिया श्रीवास्तव ने बढ़ाया शहडोल संभाग का मान

बिरसिंहपुर पाली। पाली नगर की बेटी प्रिया श्रीवास्तव ने देश भर में पाली नगर के साथ शहडोल संभाग का नाम रोशन किया है। कॉर्पोरल प्रिया श्रीवास्तव, पिता श्री प्रदीप श्रीवास्तव (के.के. पावर प्राइवेट लिमिटेड में कार्यरत) एवं माता श्रीमती मंजू श्रीवास्तव (शिक्षिका) की सुपुत्री हैं। उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा सेंट जोसेफ स्कूल, बिरसिंहपुर पाली से पूर्ण की है। वर्तमान में वह पीपुल्स यूनिवर्सिटी, भोपाल से बैचलर ऑफ कॉमर्स (बी.कॉम) की पढ़ाई कर रही हैं तथा पीपुल्स यूनिवर्सिटी की एनसीसी आर्मी विंग, 4 एमपी गर्ल्स बटालियन की कैडेट हैं। उन्होंने मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ निदेशालय का प्रतिनिधित्व करते हुए अखिल भारतीय स्तर पर तृतीय स्थान प्राप्त कर प्रदेश का नाम रोशन किया। गणतंत्र दिवस परेड से जुड़े फ्लैग एरिया एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 28 जनवरी को आयोजित प्रधानमंत्री रैली के लिए उनका चयन हुआ। उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उन्हें लेफ्टिनेंट जनरल वीरेंद्र वत्स द्वारा मेडलियन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। इस दौरान उन्हें माननीय राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, थलसेना प्रमुख, नौसेना प्रमुख एवं वायुसेना प्रमुख सहित कई गणमान्य व्यक्तियों से मिलने एवं उनके निवास पर जाने का अवसर भी प्राप्त हुआ। इसके अतिरिक्त उन्होंने नौसेना प्रमुख के निवास पर जाकर माननीय रक्षा मंत्री एवं माननीय रक्षा राज्य मंत्री से भेंट की। उन्हें मध्यप्रदेश के राज्यपाल द्वारा पदक व प्रमाण पत्र तथा मुख्यमंत्री द्वारा पदक प्रदान कर सम्मानित किया गया। प्रिया को मिली इस असहज उपलब्धि से नगर में हर्ष की लहर बनी हुई है इस अनुकरणीय सफलता का सम्मान करने कांग्रेस ने कदम बढाया, और ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष रवि मिश्रा अपने टीम के साथ पहुँच कर दैनंदनी, कलम और गुलदस्ता से भेंट कर सम्मान के पलों को दुगुणित कर दिया है । ब्लाक अध्यक्ष पाली के साथ रमेश सिंह, शनू उपाध्याय, रजनीश तिवारी, दुर्गेश नामदेव, अजीत श्रीवास्तव, संजय श्रीवास्तव, के साथ अन्य साथियों की उपस्थिति सराहनीय रही।

सुरक्षित इंटरनेट दिवस पर साइबर सुरक्षा एवं जागरूकता कार्यशाला संपन्न

उमरिया। भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के निर्देशन में सुरक्षित इंटरनेट दिवस के अवसर पर स्मार्ट तकनीक, सुरक्षित विकल्प, एआई के सुरक्षित और जिम्मेदार उपयोग थीम अंतर्गत जिला सूचना विज्ञान केंद्र, उमरिया द्वारा साइबर सुरक्षा एवं डिजिटल जागरूकता कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस रणविजय प्रताप सिंह शासकीय महाविद्यालय उमरिया में संपन्न हुआ। कार्यशाला के दौरान जिला सूचना विज्ञान अधिकारी धीरेन्द्र सिंह राजपूत द्वारा इंटरनेट, मोबाइल एवं विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म के सुरक्षित और जिम्मेदार उपयोग के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने साइबर अपराधों से बचाव, मजबूत पासवर्ड, ओटीपी की गोपनीयता, फिशिंग और फर्जी लिंक से सतर्क रहने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रकाश डाला। साथ ही जिला सूचना विज्ञान केंद्र के अधिकारियों ने साइबर सुरक्षा, ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग तथा डिजिटल दुनिया में सावधानी बरतने के आवश्यक उपायों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। कार्यशाला का उद्देश्य नागरिकों एवं विद्यार्थियों में साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता तकनीक (एआई) के सुरक्षित एवं जिम्मेदार उपयोग को प्रोत्साहित करना रहा। कार्यक्रम में जिला अस्पताल से सिविल सर्जन, व अन्य जिला अधिकारी सहित छात्र छात्राएं उपस्थित रहे ।

23 फरवरी तक स्मार्ट मीटर पखवाड़ा, उपभोक्ताओं को मिलेंगे कई लाभ

उमरिया। भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश में स्मार्ट मीटरिंग को लेकर व्यापक स्तर पर कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड द्वारा मॉटेकार्लो लिमिटेड के सहयोग से 23 फरवरी 2026 तक स्मार्ट मीटर पखवाड़ा आयोजित किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य उपभोक्ताओं को स्मार्ट मीटर के लाभों की जानकारी देना तथा पारदर्शी, त्रुटिरहित और त्वरित बिजली सेवा उपलब्ध कराना है। स्मार्ट मीटर से उपभोक्ताओं को अनेक आधुनिक सुविधाएं प्राप्त हो रही हैं। उपभोक्ता अब अपने परिसर में होने वाली रोजाना बिजली खपत और रीडिंग की जानकारी, वर्तमान माह एवं पिछले छह माह की बिजली खपत का ब्यौरा, उपयोग में लाए गए लोड का मासिक विवरण, तथा रियल-टाइम बिजली उपयोग ट्रैकिंग की सुविधा प्राप्त कर सकते हैं। स्मार्ट मीटर के माध्यम से प्रतिमाह रीडिंग में होने वाली मानवीय त्रुटियों से छुटकारा मिलता है, जिससे उपभोक्ताओं को औसत या अनुमानित बिजली बिल नहीं दिया जाता। अब बिजली बिल सुधार के लिए कार्यालयों के चक्कर लगाने की आवश्यकता भी समाप्त हो गई है। उपभोक्ता मोबाइल एप के जरिए रोजाना बिजली खपत, लोड और चार्ज की सटीक जानकारी अपने मोबाइल फोन पर देख सकते हैं। इसके अतिरिक्त स्मार्ट मीटर से खराब या बंद मीटरों की तत्काल जानकारी,टाईम आफ डे टैरिफ सपोर्ट, ऊर्जा संरक्षण एवं जागरूकता, तथा त्रुटिरहित एवं त्वरित बिलिंग सेवा सुनिश्चित हो रही है। गैर-घरेलू उपभोक्ताओं को पावर फैक्टर में छूट, सौर ऊर्जा गणना के लिए अलग मीटर की आवश्यकता नहीं, तथा दिन में बिजली खपत के लिए टीओडी आधारित गणना का लाभ भी मिल रहा है। उपभोक्ता संतुष्टि के लिए आवश्यकता अनुसार चेक मीटर भी स्थापित किए जा रहे हैं। स्मार्ट मीटर पखवाड़ा के अंतर्गत वृत्त उमरिया के उमरिया टाऊन वितरण केंद्र में 9 से 23 फरवरी तक उपभोक्ता जागरूकता अभियान के तहत शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं ने सहभागिता की। अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा उपभोक्ताओं की स्मार्ट मीटर से संबंधित शंकाओं का समाधान किया गया तथा उन्हें स्मार्ट बिजली एप के उपयोग, सुविधाओं एवं लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। स्मार्ट मीटर से संबंधित किसी भी जानकारी के लिए उपभोक्ता 1912 पर संपर्क कर सकते हैं तथा स्मार्ट बिजली एप से जुड़कर विद्युत संबंधी सभी डिजिटल सुविधाओं का लाभ उठा सकते हैं।
अधीक्षण अभियंता, उमरिया ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को सटीक, पारदर्शी और आधुनिक बिजली सेवा प्रदान करता है। सभी उपभोक्ता स्मार्ट मीटर पखवाड़ा के दौरान आयोजित शिविरों में सहभागिता करें, अपनी शंकाओं का समाधान कराएं और स्मार्ट बिजली एप का उपयोग कर डिजिटल सुविधाओं का लाभ उठाएं।

एसपी ने अग्निवीर भर्ती रैली की तैयारियों का लिया जायजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

आगामी 13 फरवरी से जिले में आयोजित होने वाली अग्निवीर भर्ती रैली को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। सेना भर्ती कार्यालय मुख्यालय जबलपुर द्वारा कटनी जिले की पुलिस लाइन झिंझरी मैदान में अग्निवीर भर्ती रैली का आयोजन किया जा रहा है। भर्ती रैली के सुव्यवस्थित, शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित आयोजन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा ने भर्ती स्थल का निरीक्षण कर सुरक्षा एवं ट्रैफिक प्रबंधन की तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने संबंधित पुलिस अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने निर्देशित किया कि भर्ती रैली के दौरान प्रभावी भीड़ प्रबंधन के लिए अलग-अलग पुलिस टीमें तैनात की जाएं। साथ ही, यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के उद्देश्य से वैकल्पिक मार्गों की पूर्व योजना सुनिश्चित की जाए। भर्ती स्थल एवं उसके आसपास पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की जाए, जिससे किसी भी प्रकार की अव्यवस्था अथवा कानून-व्यवस्था संबंधी स्थिति उत्पन्न न हो। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि भर्ती स्थल पर यह जानकारी प्रमुखता से प्रचारित की जाए कि भारतीय सेना में भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और मेरिट आधारित है। यदि कोई व्यक्ति चयन दिलाने के नाम पर अनुचित दबाव या पैसों की मांग करता है, तो उसकी तत्काल शिकायत पुलिस या भर्ती अधिकारियों से करें। पुलिस लाइन झिंझरी में आयोजित इस अग्निवीर भर्ती रैली में कटनी सहित 15 जिलों के युवा भाग लेंगे। इनमें जबलपुर, अनूपपुर, बालाघाट, छिंदवाड़ा, मंडला, मऊगंज, नीमच, रीवा, सतना, सिवनी, शहडोल, सीधी, सिंगरौली और उमरिया जिले शामिल हैं।

अपर कलेक्टर की अध्यक्षता में सीएससी संचालकों की बैठक सम्पन्न

उमरिया। अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता की अध्यक्षता में कलेक्टर सभागार में जिले की सभी पंचायतों से आए अटल ई-सेवा केंद्र के वीएलई (सीएससी संचालकों) की बैठक संपन्न हुई। उन्होंने सभी सीएससी संचालकों को निर्देशित किया कि कैंप लगाकर फार्मर रजिस्ट्री पंजीयन कार्य में तेजी लाई जाए।

भू-अभिलेख अधीक्षक सतीश होनी ने पटवारियों के साथ समन्वय स्थापित कर शत-प्रतिशत फार्मर रजिस्ट्री सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। ई-उपार्जन पंजीयन के संबंध में खाद्य शाखा अधिकारी श्री रोहित सिंह ने संचालकों को अधिक से अधिक किसानों के आवेदन बायोमेट्रिक माध्यम से निर्धारित शुल्क पर पंजीकृत करने के निर्देश दिए। सीएससी भोपाल से आए स्टेट प्रोजेक्ट मैनेजर संकल्प सोनी ने सभी संचालकों को अपने केंद्रों पर अनिवार्य रूप से सीएससी ब्रांडिंग, ई-केवाईसी एवं पुलिस सत्यापन पूर्ण कराने के निर्देश दिए। साथ ही सीएससी कार्यालय में वीएलई को अटल ई-सेवा केंद्र का ऑथराइजेशन लेटर प्रदान कर पंचायत स्तर पर केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की सेवाएं घर-घर तक पहुंचाने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में सीएससी जिला प्रबंधक राजकुमार कुशवाहा ने विभिन्न सीएससी सेवाओं की विस्तृत जानकारी दी। इनमें आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, बैंकिंग एवं इंश्योरेंस, बिजली बिल भुगतान, रेलवे टिकट, समग्र ई-केवाईसी, ई-श्रम कार्ड, फिशरी रजिस्ट्रेशन, फार्मर रजिस्ट्री, गैस बुकिंग पंजीयन, लोन सेवाएं, टेली-लॉ, ई-कोर्ट, ई-स्टोर, आय एवं निवास प्रमाण पत्र, अकाउंट स्टेटमेंट्स सहित अन्य सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। बैठक में जिले भर से 80 से अधिक सीएससी संचालक उपस्थित रहे।

फायलेरिया बीमारी के नियंत्रण के लिए प्रारंभ हुआ सामूहिक दवा सेवन कार्यक्रम

प्रथम चरण में बनाये गये बूथों में कराया गया दवा का सेवन

उमरिया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. व्ही एस चंदेल ने बताया कि एम.डी.ए./सामूहिक दवा सेवा अभियान के सफल संचालन के लिए पी.एम.श्री शासकीय कन्या परिसर गोरईया पाली में सामूहिक दवा सेवन (एम.डी.ए.)अभियान विकासखंड पाली से समस्त ग्रामों के लिए सामूहिक दवा सेवन कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया । अभियान का संचालन 24 फरवरी तक किया जाएगा। अभियान के तहत 12 फरवरी तक बनाए गए बूथों में दवा का सेवन कराया जायेगा एवं 13 को मापअप राउण्ड बूथ पर छूटे हुयें लोगों को दवा खिलाई जावेगी। 14 फरवरी से 20 फरवरी तक दल द्वारा घर-घर जाकर दवा का सेवन कराया जाएगा। 21 फरवरी से 24 फरवरी तक, मापअप राउन्ड के तहत छूटे हुए लोगों को दवा का सेवन कराया जाना है।
फायलेरिया बीमारी से बचने के लिए दवा का सेवन आवश्यक है। फायलेरिया की बीमारी कभी भी किसी को भी हो सकती है। इसलिए आवश्यक है कि दवाई का सेवन स्वयं करें और अपने संपर्क के लोगों को भी दवा खाने के लिए जागरूक करें। उन्होंने बताया कि वर्ष में एक बार 02 साल से कम उम्र के बच्चों, गर्भवती माताओं, गंभीर रूप से बीमार व्यक्तियों को छोड़कर शेष सभी जन समुदाय को निर्धारित मात्रा में फायलेरिया रोधी दवा डीईसी (डाय इथाइल कार्बामैजीन) एवं एल्वेन्डाजोल का सेवन कराया जाना आवश्यक है। दवा का सेवन खाली पेट नहीं करना है। एल्वेन्डाजोल की गोली चबाकर ही खाना है। 2 से पांच वर्ष के बच्चों को 1 डीईसी टेबलेट तथा 1 एल्वेन्डाजोल, 6 से 14 वर्ष के बच्चों को 2 डीईसी टेबलेट तथा एक एल्वेन्डाजोल एवं 15 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को 3 डीईसी टेबलेट एवं एक एल्वेन्डाजोल टेबलेट खिलाई जानी है। सामूहिक दवा सेंवन के दौरान डॉ पी एल सागर मुख्य खण्ड चिकित्सा अधिकारी विकासखण्ड पाली, राहुल नेमा राज्य सलाहकार एनव्हीबीडीसीपी, सुधीश यादव राज्य प्रतिनिधि, डीपीएम, रवि कुमार साहू जिला मलेरिया सलाहकार उमरिया, प्राजीत कौर एम एंड ई ओ , रोहित सिंह डीसीएम , जितेन्द्र बीझी ब्लॉक मलेरिया सुपरवाईजर, जियाउददीन खान बीपीएम पाली, पूजा महोबिया बीसीएम पाली, गौरव मिश्रा जिला समन्वरयक पीसीआई , शिवानी सीएचओ , सरिता जैन प्राचार्य पी.एम.श्री शासकीय कन्या परिसर गोरईया पाली, राधा तिवारी एवं समस्त स्टाफ का सराहनीय सहयोग रहा, सेक्टर के कर्मचारी एवं सेक्टर सुपरवाईजर एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ता, सी.एच.ओं, ए.एन.एम. आशा कार्यकर्ता एवं एम एस जी कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

खबर संक्षेप

नगर के बब्बा कॉलोनी में मिला अज्ञात पुरुष का शव, पुलिस पहुंची मौके पर

अनूपपुर। अनूपपुर नगर के वार्ड क्रमांक 9 बब्बा कॉलोनी में बुधवार की सुबह एक अज्ञात पुरुष का शव पुलिस ने बरामद किया तथा अज्ञात पुरुष के पहचान का प्रयास पुलिस कर रही है। बुधवार की सुबह अनूपपुर नगर के वार्ड क्रमांक 9 बब्बा कॉलोनी निवासी अविनाश दुबे को मोहल्ला वालों ने बताया कि खाली पड़े जमीन में रखें पुलिया वाले बड़े पाइप के टुकड़े के अंदर एक अज्ञात पुरुष जो लगभग 25 से 30 वर्ष की उम्र का है पड़ा हुआ है जिसे नजदीक पर जाकर देखने पर वह मृत स्थिति में होना पाए जाने पर कोतवाली थाना अनूपपुर को सूचना दी गई जिस पर सहायक उप निरीक्षक सतानंद रावत पुलिस दल के साथ घटना स्थल पर पहुंचकर मृतक के शव का पंचनामा कर शव को जिला चिकित्सालय अनूपपुर भेजकर पता तलाश प्रारंभ की आसपास के मोहल्ला वासियों ने बताया कि यह अज्ञात पुरुष जिसके बड़े बाल एवं बड़ी दाढ़ी काली सफेद पट्टेदार फुल शर्ट नीले रंग का पेंट खाकी रंग का जैकेट पहने हुए हैं विगत कई दिनों से मोहल्ला के आसपास घूमता रहता रहा जिसे देखने एवं बातचीत से मानसिक रोगी होना प्रतीत होता रहा है कोतवाली पुलिस अज्ञात मृतक की पहचान हेतु विभिन्न माध्यमों से पहचान किए जाने का प्रयास कर रही है।

सामाजिक कार्यकर्ता नौशाद खान ने प्रमुख सचिव को लिखा पत्र, कार्यों पर रोक की मांग

नगर पालिका अनूपपुर में सीएमओ की पदस्थापना अवैध

अनूपपुर। नगर पालिका परिषद अनूपपुर में मुख्य नगर पालिका अधिकारी की पदस्थापना को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। सामाजिक कार्यकर्ता नौशाद खान, निवासी वार्ड क्रमांक 07 अनूपपुर ने मध्यप्रदेश शासन के नगरीय विकास एवं आवास विभाग के प्रमुख सचिव को पत्र लिखकर आरोप लगाया है कि नगर पालिका परिषद अनूपपुर में वर्तमान में किए जा रहे समस्त शासकीय कार्य अवैधानिक एवं नियम विरुद्ध हैं।

राज्य सरकार ने नहीं की सीएमओ की नियुक्ति, फिर कैसे चल रहा काम?

पत्र में उल्लेख किया गया है कि तत्कालीन मुख्य नगर पालिका अधिकारी अनंत कुमार धर्वे के 29 फरवरी 2024 को सेवा निवृत्त होने के बाद आज दिनांक तक राज्य सरकार द्वारा नगर पालिका परिषद अनूपपुर में किसी भी नए मुख्य नगर पालिका अधिकारी की विधिवत नियुक्ति नहीं की गई है। इसके बावजूद जिला प्रशासन एवं संभागीय संयुक्त संचालक, नगरीय प्रशासन एवं विकास शहडोल द्वारा अपने स्तर पर व्यवस्था कर शासकीय कार्य कराए जा रहे हैं, जो मध्यप्रदेश नगर पालिका अधिनियम 1961 के स्पष्ट प्रावधानों का उल्लंघन है।

नगर पालिका अधिनियम 1961 का खुला उल्लंघन

श्री खान ने अपने पत्र में नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 87, 90 एवं 91 का हवाला देते हुए बताया कि मुख्य नगर पालिका अधिकारी राज्य सरकार द्वारा नियुक्त किए जाते हैं तथा उनके स्थानांतरण, अवकाश अथवा अतिरिक्त प्रभार देने का अधिकार भी केवल राज्य सरकार को ही है। अधिनियम में किसी भी अन्य प्रशासनिक अधिकारी को यह अधिकार नहीं दिया गया है। धारा 87 व 90 में आज दिनांक तक कोई संशोधन भी नहीं हुआ है, इसके बावजूद नियमों को ताक पर रखकर पदस्थापना की जा रही है।

समकक्ष अधिकारी द्वारा दिया गया अवैध अतिरिक्त प्रभार

पत्र में यह भी आरोप लगाया गया है कि प्रदीप झारिया, जो मूलतः नगर पालिका कोतमा में मुख्य नगर पालिका अधिकारी पदस्थ हैं, उन्हें नगर पालिका अनूपपुर का अतिरिक्त प्रभार संभागीय संयुक्त संचालक नगरीय प्रशासन एवं विकास शहडोल आर.पी. मिश्रा द्वारा आदेश क्रमांक 1800/सं0स0/स्था/2025, दिनांक 05.08.2025 के माध्यम से दिया गया है। जबकि श्री मिश्रा स्वयं भी मूल रूप से मुख्य नगर पालिका अधिकारी के पद से संबंधित हैं, ऐसे में वे समकक्ष अधिकारी को एक निकाय से दूसरे निकाय में पदस्थ करने के लिए सक्षम नहीं हैं। यह आदेश पूर्णतः अवैधानिक एवं गैर-कानूनी बताया गया है।

न अध्यक्ष ने की आपत्ति, न परिषद ने निभाया दायित्व

शिकायत पत्र में नगर पालिका अध्यक्ष एवं परिषद की भूमिका पर भी सवाल उठाए गए हैं। आरोप है कि अवैध रूप से पदस्थ किए जा रहे मुख्य नगर पालिका अधिकारी के विरुद्ध न तो अध्यक्ष ने कोई आपत्ति दर्ज कराई और न ही परिषद ने अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया, जबकि जनता ने उन्हें प्रतिनिधि के रूप में चुना है।

समस्त कार्य अवैध घोषित करने की मांग

सामाजिक कार्यकर्ता नौशाद खान ने प्रमुख सचिव से मांग की है कि नगर पालिका परिषद अनूपपुर में वर्तमान में पदस्थ मुख्य नगर पालिका अधिकारी द्वारा किए जा रहे समस्त शासकीय कार्यों पर तत्काल रोक लगाई जाए, अब तक किए गए कार्यों को अवैध घोषित किया जाए तथा शासन स्तर से नियमानुसार प्रक्रिया अपनाकर अनूपपुर नगर पालिका के लिए विधिवत मुख्य नगर पालिका अधिकारी की नियुक्ति की जाए।

जिला आदिवासी कांग्रेस अनूपपुर का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर संपन्न

अमरकंटक। जिला आदिवासी कांग्रेस अनूपपुर द्वारा आयोजित तीन दिवसीय आदिवासी अधिकार एवं सशक्तिकरण प्रशिक्षण शिविर का समापन उत्साह, ऊर्जा और संकल्प के वातावरण में संपन्न हुआ। इस प्रशिक्षण शिविर में अनूपपुर जिले, विशेषकर पुष्पराजगढ़ विधानसभा क्षेत्र से आए लगभग 150 से अधिक कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सक्रिय सहभागिता करते हुए संगठनात्मक, वैचारिक एवं सामाजिक विषयों पर प्रशिक्षण प्राप्त किया। तीन दिनों तक चले इस शिविर में आदिवासी समाज के संवैधानिक अधिकारों, वनाधिकार कानून, पंचायत (अनुसूचित क्षेत्रों में विस्तार) अधिनियम (पेसा), सामाजिक न्याय, संगठन विस्तार तथा जनसंवाद की रणनीतियों पर विस्तृत मंथन किया गया। समापन अवसर पर सभी प्रशिक्षित कार्यकर्ताओं को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए तथा उन्हें अपने-अपने क्षेत्रों में जाकर जनमानस से प्रत्यक्ष संवाद स्थापित करने का आह्वान किया गया। वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान सत्ता की जनविरोधी नीतियों, बढ़ती महंगाई, भ्रष्टाचार, वन क्षेत्रों में निवासरत आदिवासी समाज के अधिकारों पर हो रहे अतिक्रमण तथा प्रशासनिक अव्यवस्थाओं को जन-जन तक पहुँचाना आवश्यक है। साथ ही कांग्रेस पार्टी की रीति-नीति, सिद्धांतों और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष द्वारा सड़क से लेकर संसद तक किए जा रहे संघर्ष को भी आम जनता तक पहुँचाने का संकल्प दिलाया गया। यह भी दोहराया गया कि कांग्रेस पार्टी सदैव युवाओं, महिलाओं, किसानों और वनवासियों के अधिकारों की रक्षा हेतु संघर्षरत रही है और आगे भी प्रतिबद्ध रहेगी। समापन सत्र को पुष्पराजगढ़ के विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को, आदिवासी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष रामू सिंह टेकाम, तेलंगाना से पधारे संयोजक मोहिंद्र, जिला आदिवासी कांग्रेस अध्यक्ष आशुतोष सिंह मार्को सहित अन्य वरिष्ठ कांग्रेसजनों ने संबोधित किया। उनके प्रेरणादायक उद्बोधनों ने कार्यकर्ताओं में नवीन ऊर्जा, आत्मविश्वास और संगठनात्मक दृढ़ता का संचार किया।

जैतहरी, लपटा, अमगंवा स्वास्थ्य केन्द्रों का जिला पंचायत सीईओ ने निरीक्षण कर लिया जायजा

अनूपपुर। जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अर्चना कुमारी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जैतहरी, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लपटा एवं अमगंवा का भ्रमण कर सुरक्षित प्रसव के लिए स्वास्थ्य केंद्र में उपलब्ध संसाधनों का जायजा लिया गया। भ्रमण के दौरान स्वास्थ्य अधिकारी तथा नर्सिंग स्टाफ उपस्थित थे। उन्होंने प्रसव कक्ष, पीएनसी कक्ष, तथा आयरन सुक्रोज व मरीजों को दी जाने वाली सुविधाएं, हाई रिस्क डिलीवरी पेशेंट को दी जाने वाली सुविधाओं तथा संसाधनों का अवलोकन किया तथा आवश्यक सामग्री का मांग पत्र उपलब्ध कराए जाने के निर्देश दिए गए।

जवाहर नवोदय विद्यालय अमरकंटक में प्रेरणा उत्सव कार्यक्रम संपन्न

अमरकंटक। पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय में शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के अभिनव उपक्रम "प्रेरणा उत्सव" का भव्य एवं प्रेरणादायी आयोजन संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम केवल एक प्रतियोगिता न होकर विद्यार्थियों के अंतर्मन में निहित प्रतिभा, सृजनशीलता और नेतृत्व क्षमता को जागृत करने का सशक्त माध्यम सिद्ध हुआ। "करके सीखने" की अवधारणा पर आधारित यह अनुभवनात्मक कार्यक्रम विद्यार्थियों को पुस्तकीय ज्ञान से आगे बढ़कर जीवनोपयोगी कौशल, नैतिक मूल्यों, नवाचार की भावना और राष्ट्र चेतना से जोड़ने का प्रयास करता है। कार्यक्रम में क्षेत्र के कुल 21 विद्यालयों के 42 छात्र-छात्राओं ने सहभागिता कर अपने ज्ञान, विचार और प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विविध गतिविधियों के अंतर्गत भाषण, नृत्य, गायन, निबंध लेखन एवं चित्रकला जैसी विधाओं का आयोजन किया गया। "विकसित भारत", "मेरी भारत दृष्टि" तथा "मुझे प्रेरणा कार्यक्रम हेतु क्यों चुना जाना चाहिए" जैसे समसामयिक एवं राष्ट्र निर्माण से जुड़े विषयों पर विद्यार्थियों ने अपने विचार प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किए। उनकी अभिव्यक्ति में आत्मविश्वास, राष्ट्र के प्रति समर्पण और भविष्य के भारत की सशक्त परिकल्पना स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुई। प्रतिभागियों के साक्षात्कार एवं मूल्यांकन हेतु निर्णायक मंडल में आशीष कुमार शुक्ला (प्राचार्य, पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय अमरकंटक), कमलेश मिश्रा (प्राचार्य, कल्याणिका केंद्रीय शिक्षा निकेतन विद्यालय अमरकंटक) तथा रोहित लाल त्रिपाठी (प्राचार्य, सरस्वती शिशु उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अमरकंटक) उपस्थित रहे। निर्णायकों ने विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता, नेतृत्व गुण, अभिव्यक्ति कौशल एवं नैतिक दृष्टिकोण के आधार पर सूक्ष्म मूल्यांकन किया।

सेंदुरी से खांडा पहुंचा बेकाबू नर हाथी

रात में 4 मकान तोड़े, फसलें रौंदी, 51 दिनों से दहशत में ग्रामीण

अनूपपुर। जिले में पिछले 51 दिनों से हाथियों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। छत्तीसगढ़ सीमा से आए तीन हाथियों का दल लगातार गांव-गांव घूमकर ग्रामीणों के घरों और फसलों को नुकसान पहुंचा रहा है। मंगलवार रात एक दंत वाला नर हाथी सेंदुरी-बेलापार-भगतबांध होते हुए खांडा गांव पहुंच गया, जहां उसने चार कच्चे मकानों में तोड़फोड़ कर घरों में रखी खाद्य सामग्री खा ली और खेतों में लगी गेहूं, अरहर, गन्ना व केला की फसलों को रौंदकर भारी नुकसान पहुंचाया। हाथी ने ग्राम खांडा निवासी शंकर राठौर, राम सिंह, हीरामन पाव और सोनू सिंह पाव के मकानों को क्षतिग्रस्त किया। वहीं सीताराम राठौर और अन्य किसानों की खड़ी फसलें बर्बाद कर दीं, बुधवार सुबह हाथी खांडा बांध के ऊपर जंगल में विश्राम करता देखा गया। इधर, दो अन्य हाथियों का दल जैतहरी वन परिक्षेत्र के धनगवां बीट के जंगल में पिछले 10 दिनों से डेरा डाले हुए है। हालांकि वे जंगल से बाहर नहीं निकले हैं, लेकिन ग्रामीणों में हर पल भय का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों के अनुसार हाथी रात के समय लंबी दूरी तय कर अचानक गांव में प्रवेश कर जाता है। भगाने पर आक्रामक होकर चिंघाड़ता है और दौड़ाने लगता है, जिससे लोगों की जान खतरे में पड़ रही है। कई परिवार रात भर जागकर पहरा देने को मजबूर हैं।

वन एवं पुलिस विभाग द्वारा अलर्ट जारी कर लोगों को सतर्क रहने की अपील तो की जा रही है, लेकिन हाथियों को सुरक्षित तरीके से खदेड़ने या स्थायी समाधान की दिशा में कोई प्रभावी कार्रवाई नजर नहीं आ रही। कलेक्टर हर्षल पंचोली के निर्देश पर राजस्व विभाग नुकसान का सर्वे कर रहा है, परंतु ग्रामीणों का कहना है कि केवल सर्वे से समस्या हल नहीं होगी, त्वरित राहत और सुरक्षा जरूरी है। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रीति रमेश सिंह ने गांव पहुंचकर हालात का जायजा लिया और प्रशासन से तत्काल ठोस कार्रवाई की मांग की।"लगातार 51 दिनों से ग्रामीण दहशत में जी रहे हैं। घर टूट रहे हैं, फसलें नष्ट हो रही हैं। केवल सर्वे से काम नहीं चलेगा। प्रशासन को हाथियों की सुरक्षित मॉनिटरिंग, तत्काल राहत राशि और स्थायी समाधान के लिए प्रभावी कदम उठाने होंगे ताकि आमजन को राहत मिल सके। लगातार बढ़ते हाथी आतंक ने प्रशासन की तैयारी और आपदा प्रबंधन व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो किसी बड़ी जनहानि से इंकार नहीं किया जा सकता।

अमरकंटक में ऐतिहासिक धार्मिक आयोजन 9 से 11 फरवरी तक चला महाअनुष्ठान

जयपुर से मंगाई गई ग्रेनाइट की मां नर्मदा प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा एवं भंडारा सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। मध्यप्रदेश की जीवनरेखा, पुण्य सलिला मां नर्मदा की उद्गम स्थली अमरकंटक में 9 फरवरी से प्रारंभ हुआ त्रिदिवसीय महाअनुष्ठान 11 फरवरी को नई मां नर्मदा की प्रतिमा की विधिवत स्थापना एवं प्राण प्रतिष्ठा के साथ पूर्ण हुआ। इस भव्य धार्मिक आयोजन ने न केवल अमरकंटक बल्कि आसपास के क्षेत्रों को भी भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक चेतना से आलोकित कर दिया। यह संपूर्ण आयोजन परम तपस्वी बाबा कल्याण दास जी महाराज के पावन आशीर्वाद से सम्पन्न हुआ। उनके सान्निध्य एवं प्रेरणा से मां नर्मदा की नवीन प्रतिमा विशेष रूप से जयपुर से काले ग्रेनाइट पत्थर में उत्कृष्ट शिल्पकला के साथ निर्मित कर मंगाई गई थी। प्रतिमा का दिव्य स्वरूप, शांत मुखमंडल और आकर्षक आभा श्रद्धालुओं के लिए विशेष आस्था एवं श्रद्धा का केंद्र बन गई है। कार्यक्रम में मुख्य यजमान के रूप में हिमाद्री मुनि महाराज (प्रबंध न्यासी, श्री कल्याण सेवा आश्रम) एवं अनूपपुर कलेक्टर हर्षल पंचोली सपत्नीक उपस्थित रहे। उन्होंने वैदिक आचार्यों के निर्देशन में विधिपूर्वक पूजन-अर्चन कर मां नर्मदा से प्रदेश, राष्ट्र और समस्त मानवता के कल्याण की कामना की।

9 फरवरी से आरंभ हुआ शास्त्रोक्त अनुष्ठान

9 फरवरी को मंदिर परिसर की शुद्धि, मंडप स्थापना, कलश स्थापना एवं गणेश-अंबिका पूजन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इसके पश्चात प्रतिमा के दिव्यीकरण हेतु अधिवास विधियां सम्पन्न की गईं। जलाधिवास पवित्र जल में प्रतिमा को स्थापित कर दिव्यता का आह्वान। धान्याधिवास अन्न में विराजमान कर स्थायित्व एवं समृद्धि की कामना। घृताधिवास घृत से अभिषेक कर तेज एवं ओज की स्थापना। 10 फरवरी को यज्ञ-हवन, वैदिक मंत्रोच्चार एवं पंचामृत अभिषेक सम्पन्न हुआ। दूध, दही, घी, शहद, शक्कर एवं पवित्र नदियों के जल से मां नर्मदा का अभिषेक किया गया। शंखनाद, घंटाध्वनि और "जय मां नर्मदा" के उद्घोष से पूरा उद्गम कुंड परिसर भक्तिमय हो उठा।

11 फरवरीः प्राण प्रतिष्ठा का पावन क्षण

11 फरवरी को शुभ मुहूर्त में प्रतिमा की विधिवत स्थापना की गई। अनुष्ठान का सबसे अलौकिक क्षण नेत्रोन्मीलन रहा, जब स्वर्ण शलाका से मां की प्रतिमा की आंखों का उद्घाटन किया गया। परंपरा अनुसार दर्पण दिखाकर दिव्य ऊर्जा का पुनः प्रतिष्ठापन किया गया। इसके उपरांत वैदिक आचार्यों द्वारा प्राण प्रतिष्ठा मंत्रों का उच्चारण कर प्रतिमा में दिव्य चेतना का संचार किया गया। षोडशोपचार पूजन, वस्त्राभूषण अर्पण एवं भव्य महाआरती के साथ यह दिव्य अनुष्ठान पूर्ण हुआ। पूरे कार्यक्रम का संचालन आचार्य पंडित कामता प्रसाद द्विवेदी के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। उनके साथ पंडित उमेश प्रसाद द्विवेदी, पंडित उत्तम प्रसाद द्विवेदी, पंडित जुगल द्विवेदी, पंडित मुकेश पाठक, पंडित रुपेश द्विवेदी एवं पंडित सानू द्विवेदी ने विधि-विधान सम्पन्न कराया।

कन्या पूजन से मिला मातृशक्ति का सम्मान

प्राण प्रतिष्ठा के उपरांत परंपरानुसार कन्या पूजन किया गया। छोटी-छोटी कन्याओं को मां नर्मदा का स्वरूप मानकर उनके चरण पूजे गए, तिलक लगाकर सम्मानपूर्वक प्रसाद एवं उपहार प्रदान किए गए। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने मातृशक्ति के प्रति श्रद्धा और सम्मान प्रकट किया। कार्यक्रम के समापन पर मंदिर परिसर में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। दूर-दराज से आए हजारों श्रद्धालुओं ने पंक्तिबद्ध होकर प्रसाद ग्रहण किया। विशेष रूप से खिचड़ी एवं शुद्ध घी से निर्मित हलवे का भोग तैयार कर श्रद्धालुओं में वितरित किया गया। भंडारे की व्यवस्थाएं अत्यंत सुव्यवस्थित रहीं। स्वयंसेवकों एवं आश्रम के सेवाभावी कार्यकर्ताओं ने श्रद्धालुओं को प्रेमपूर्वक प्रसाद परोसा। पूरे वातावरण में सेवा, समर्पण और सद्भाव की अद्भुत भावना देखने को मिली। मां नर्मदा के जयकारों और भक्ति गीतों के बीच भंडारे का दृश्य अत्यंत प्रेरणादायी रहा। यह आयोजन सामाजिक समरसता और धार्मिक एकता का भी संदेश देता नजर आया।

संत-महात्माओं एवं गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति

इस अवसर पर स्वामी हर स्वरूप जी महाराज, जगदीशानंद जी महाराज, स्वामी धर्मानंद जी महाराज, स्वामी सुंदरानंद जी महाराज, स्वामी नर्मदानंद जी महाराज, स्वामी राघवानंद जी महाराज, उमेश पाण्डेय, वरिष्ठ पत्रकार उमाशंकर पांडेय, रणजीत सिंह, मार्कंडेय शर्मा, श्याम लाल सेन सहित नगर के अनेक गणमान्य नागरिक, समाजसेवी एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। नई ग्रेनाइट प्रतिमा की स्थापना एवं प्राण प्रतिष्ठा के साथ अमरकंटक की धार्मिक गरिमा में एक नया अध्याय जुड़ गया है। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि मां नर्मदा की असीम कृपा से क्षेत्र में शांति, समृद्धि, सांस्कृतिक जागरण और आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त होगा।

राज्य परिवहन प्राधिकार का नए सिरे से पुनर्गठन, अब ट्रांसपोर्ट विभाग से नहीं होगा अध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज राजनगर। मध्य प्रदेश परिवहन विभाग ने राज्य परिवहन प्राधिकरण का पुनर्गठन कर दिया है। परिवहन विभाग के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव या सचिव अब इसके अध्यक्ष नहीं होगें। इसमें अब अध्यक्ष के रूप में मध्यप्रदेश शासन द्वारा नाम निर्दिष्ट अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव स्तर का अधिकारी होगें। राज्य परिवहन प्राधिकरण में सदस्य के रूप में परिवहन आयुक्त होंगे। वहीं प्राधिकरण के सचिव भी मध्यप्रदेश शासन परिवहन विभाग द्वारा नाम निर्दिष्ट उपसचिव या अपर सचिव होगें। परिवहन विभाग के भारसाधक सचिव एवं संयुक्त आयुक्त प्रशासन को प्राधिकरण में सहायता करने हेतु प्राधिकरण में सहायता करने हेतु प्राधिकरण विशेष आमंत्रितियों के रूप में आमंत्रित कर सकेगें। इसके पहले परिवहन विभाग ने 28 मार्च 2025 को जब मोटरयान कराधान अधिनियम के तहत राज्य परिवहन प्राधिकार का गठन किया था। तब इसमें अध्यक्ष के रूप में परिवहन विभाग के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव और सचिव को अध्यक्ष बनाया गया था। सदस्य के रूप में परिवहन आयुक्त इसमें शामिल किए गए थे। लेकिन अब पूरे राज्य परिवहन प्राधिकार का पुनर्गठन कर दिया है। गौरतलब है, कि मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा की शुरुआत अप्रैल-मई से होना है। इसके लिए राज्य स्तर पर परिवहन प्राधिकरण का गठन किया गया था। राज्य परिवहन प्राधिकरण बसों के परमिट भी जारी करता है। न्यायालय में यह दिक्कत आ रही थी, कि जो परमिट जारी करने वाले अधिकारी के प्राधिकरण में अध्यक्ष रहने पर ट्रांसपोर्टर कोर्ट में आपत्ति लगाते थे। इसलिए कोर्ट के मामलों में किसी प्रकार की दिक्कत न हो इसलिए परिवहन विभाग के एसीएस, पीएस और सचिव को प्राधिकरण से अध्यक्ष के पद से हटाया गया है। दूसरे विभाग के अधिकारी अब इसमें अध्यक्ष होंगे। कोर्ट में मामले तो परिवहन विभाग का अधिकारी ही पेश करेगा।

न्यायालय - श्रीमान द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड अनूपपुर जिला-अनूपपुर (म.प्र.)

प्रकरण क्रं.- 06/2025
आदेश दिनांक- 10/2/26
आगामी पेशी दिनांक-17/3/2026
श्रीमती मुखहीन पाव वगैरह....आवेदकगण
बनाम
उप प्रबंधक, जमुना भूमिगत वगैरह.....अनावेदकगण
व्यवहार बाद प्र.क्रं.– RCSA/06/2025

इश्तहार

यह कि आवेदकगण श्रीमती मुखहीन बेवा भागीरथी, मोहन पिता स्व भागीरथी, शांति पुत्री स्व. भागीरथी, मालती पिता स्व. भागीरथी, मंगल सिंह पिता स्व. भागीरथी, भीम सिंह पिता स्व. भागीरथी, सावित्री पिता स्व० भागीरथी के द्वारा वास्ते उत्तराधिकार प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए आवेदन पत्र संस्थित किया गया है। जिसमे आप निम्न अनावेदक के रूप में संयोजित है-अन्य जो संबंधित हो। आप सूचना ग्रहीतागण / अनावेदक क्रं.-02 को समाचार पत्र के प्रकाशन के माध्यम से सूचित किया जाता है कि उक्त प्रकरण की सुनवाई दिनांक 17/3/26 को निर्धारित है। आप स्वयं या किसी अधिवक्ता के माध्यम से सुनवाई दिनांक को ठीक 11.00 बजे न्यायालय में उपस्थित होवे, उपस्थित न होने पर आपके विरूद्ध एक पक्षीय कार्यवाही की जावेगी।

आज दिनांक 10/2/26 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय के मुद्रा के अधीन जारी किया गया।

स्थान-अनूपपुर
दिनांक 10/2/26

पीठासीन अधिकारी
सुधा पाण्डेय
द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश
वरिष्ठ खण्ड अनूपपुर
जिला - अनूपपुर (म.प्र.)

!! शुभं-शुभं !! !! श्री गणेशाय नमः !! !! शुभं-शुभं !!
श्री गुजरात ग्रेनाईट एंड टाइल्स
ग्रेनाईट एवं टाईल्स के थोक एवं फुटकर विक्रेता
हमारे यहां सभी प्रकार के टाईल्स, ग्रेनाईट- सांडय Z ब्लैक, सुपर ब्लैक, आर ब्लैक इत्यादि एवं सेनेट्री, कड़प्पा उचित दामों पर उपलब्ध है।
कोटा स्टोन कम दामों में उपलब्ध है
प्रो. देवेन्द्र सिंह जी 7742294629, 7440984719, 7737330239